धार्मिक आन्दोलन

- महावीर स्वामी की जन्मतिथि है—**540 ई.पू.**।
- जैनधर्म के प्रथम तीर्थंकर थे—**ऋषभदेव**।
- प्रथम ऐतिहासिक एवं तेइसवें तीर्थंकर थे—**पार्श्वनाथ**।
- चार महाव्रत अहिंसा, सत्य, अस्तेय एवं अपरिग्रह के प्रतिपादक थे—**पार्श्वनाथ**।
- पाँचवां महाब्रत 'ब्रह्मचर्य' को जोड़ा था—**महावीर ने**।
- चौबीसवें तीर्थंकर एवं जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक थे—**महावीर स्वामी**।
- जैनधर्म के संस्थापक, प्रवर्तक एवं पहले तीर्थंकर थे—**ऋषभदेव**।
- महावीर स्वामी के बचपन का नाम था—**वर्द्धमान**।
- महावीर स्वामी की जन्म स्थली है—**वैशाली का कुण्डग्राम**।
- महावीर स्वामी की जाति थी—**ज्ञातृक**।
- महावीर के माता का नाम था—**त्रिशला**।
- महावीर के पिता का नाम था—**सिद्धार्थ**।
- महावीर का विवाह हुआ था—**यशोदा से**।
- गृह त्याग के समय महावीर की अवस्था थी—**30 वर्ष**।
- वह बड़ा भाई जिसकी अनुमति से महावीर ने गृहत्याग किया—**नन्दिवर्द्धन**।
- कितने वर्ष की अवस्था में महावीर स्वामी को ज्ञान प्राप्त हुआ—**42 वर्ष की अवस्था में**।
- महावीर स्वामी को ज्ञान प्राप्त हुआ था—**साल्मलि वृक्ष के नीचे**।
- साल्मलि वृक्ष किस नदी के तट पर स्थित था—**ऋजुपालिका नदी के तट पर**।
- वह ग्राम जिसके निकट से ऋजुपालिका नदी बहती थी—**जुम्भिक ग्राम**।
- वह व्यक्ति जिसे केवलीन, जिन (विजेता), अर्ह (योग्य), निर्ग्रन्थ (बन्धन रहित) इत्यादि नामों विभूषित किया गया—**महावीर स्वामी**।
- महावीर स्वामी ने अपने धर्म का प्रचार-प्रसार कितने वर्षों तक किया—**30 वर्षों तक**।
- वह वर्ष जिस समय महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त हुआ—**468 ई.पू.**।
- निर्वाण प्राप्ति के समय महावीर स्वामी की आयु थी—**72 वर्ष**।
- वह स्थान जहां महावीर ने निर्वाण प्राप्त किया—**पावा**।

Scanned with CamScanner

- जैन धर्म के वे तीन रत्न जिन्हें 'त्रिरत्न' की संज्ञा दी गयी है—**सम्यक ज्ञान, सम्यक श्रद्धा एवं सम्यक आचरण।**
- ईश्वर का वह रूप जिसे जैन धर्म स्वीकार करता है—**सृष्टिकर्ता के रूप में।**
- वह धर्म जिसके अनुसार संसार छः द्रव्यों से मिलकर बना है—**जैन धर्म।**
- पुनर्जन्म एवं कर्म में विश्वास करते थे—**महावीर।**
- अनेकान्तवाद (सप्तभंगीनय) को कहा जाता है—**स्याद्वाद।**
- यज्ञ और वेद की प्रामाणिकता को स्वीकार नहीं किया—**महावीर ने।**
- जैन साहित्य की भाषा है—**प्राकृत एवं संस्कृत।**
- वह जैन धर्मानुयायी जो अकाल के समय शिष्यों सहित कर्नाटक चला गया था—**भद्रबाहु।**
- वह जैन धर्मानुयायी जो मगध में पड़े अकाल से संघर्ष करता रहा और वहीं रुक गया—**स्थूलबाहु।**
- श्वेत वस्त्र धारण करने के कारण किसे 'श्वेताम्बर' कहा गया—**भद्रबाहुको।**
- स्थूलबाहु आगे चलकर कहलाया—**दिगम्बर।**
- जैन धर्म का मुख्य केन्द्र था—**मथुरा एवं उज्जैन।**
- जैन धर्म का वह सम्प्रदाय जिसने मूर्तिपूजा को अपना लिया—**श्वेताम्बर।**
- वह धर्म जिसने व्यापार एवं वाणिज्य को अधिक महत्व दिया—**जैन धर्म।**
- जैन धर्मानुयायी अधिकतर किस भाषा का प्रयोग करते थे—**प्राकृत भाषा का।**
- वह भाषा जिसमें जैन धर्म के धार्मिक ग्रन्थ लिखे गये—**अर्द्ध मागधी।**
- जैन ग्रन्थ 'कल्पसूत्र' की भाषा है—**संस्कृत।**
- प्रथम जैन संगीति की अध्यक्षता की थी—**स्थूलभद्र ने।**
- वह स्थान जहाँ प्रथम जैन संगीत का आयोजन हुआ था—**पाटलिपुत्र।**
- प्रथम जैन संगीति का आयोजन किसके शासन काल में हुआ—**चन्द्रगुप्त मौर्य के।**
- द्वितीय जैन संगीति की अध्यक्षता की थी—**देवर्धिक्षमाश्रमण ने।**
- वह स्थान जहां 512 ई. में द्वितीय जैन संगीति का आयोजन हुआ—**बल्लभी।**
- राजस्थान प्रान्त का वह स्थान जहाँ दिलवाड़ा जैन मन्दिर स्थित है—**माउण्टआबू।**
- वह प्रान्त जहाँ गोमटेश्वर की मूर्ति है—**कर्नाटक।**
- हाथी गुफा मंदिर स्थित है—**उड़ीसा में।**
- **गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था—563 ई.पू. में।**
- गौतम बुद्ध के बचपन का नाम था—**सिद्धार्थ।**
- गौतम बुद्ध के पिता का नाम था—**शुद्धोदन।**
- गौतम बुद्ध के माता का नाम था—**महामाया।**
- सिद्धार्थ का पालन-पोषण किया था—**गौतमी ने।**
- शुद्धोदन मुखिया थे—**शाक्यगण के।**
- वह पुत्र जिसका जन्म यशोधरा से हुआ था—**राहुल।**
- वह अवस्था जिसमें गौतम ने गृहत्याग किया था—**29वें वर्ष।**
- गौतम के गृहत्याग को बौद्ध ग्रन्थों में कहा गया है—**महाभिनिष्क्रमण।**
- गौतम बुद्ध का वह प्रथम उपदेश जिसे बौद्ध ग्रन्थों में कहा गया है—**धर्म चक्र प्रवर्तन।**

Scanned with CamScanner

⇒ बौद्ध ग्रन्थों में गौतम बुद्ध की मृत्यु को कहा गया है—**महापरिनिर्वाण।**

⇒ वे संन्यासी जिनसे गृहत्याग के बाद गौतम की मुलाकात हुई—**अलार और उद्रक।**

⇒ वह वृक्ष जिसके नीचे गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ—**पीपल।**

⇒ कितने वर्ष की आयु में गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ—**35 वर्ष की आयु में।**

⇒ वह दिन जिस दिन गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ—**बैशाख पूर्णिमा।**

⇒ वह स्थान जहाँ गौतम को ज्ञान प्राप्त हुआ—**बोध गया।**

⇒ गौतम बुद्ध के अनुयायी शासक थे—**बिम्बिसार, प्रसेनजित एवं उदयन।**

⇒ गौतम बुद्ध को कितने वर्ष की अवस्था में निर्वाण प्राप्त हुआ—**80 वर्ष की अवस्था में।**

⇒ वह स्थान जहाँ गौतम बुद्ध को निर्वाण प्राप्त हुआ—**कुशीनगर।**

⇒ कुशीनगर वर्तमान में किस जिले में स्थित है—**पड़रौना जिले में।**

⇒ ईसा से कितने वर्ष पूर्व गौतम को निर्वाण प्राप्त हुआ था—**483 ई.पू.।**

⇒ वह स्थान जहाँ बुद्ध ने अपने जीवन काल में सर्वाधिक उपदेश दिया—**श्रावस्ती।**

⇒ दुःख, दुःख का कारण, दुःख निरोध एवं दुःख निरोध मार्ग को बुद्ध ने कहा है—**चार आर्य सत्य।**

⇒ सुत्तपिटक, विनय पिटक, एवं अभिधम्म पिटक को मिलाकर कहा जाता है—**त्रिपिटक।**

⇒ 'पिटक' शब्द का अर्थ है—**टोकरी, पेटी या पिटारा।**

⇒ वह पिटक जिसमें बुद्ध के धार्मिक विचारों एवं उपदेशों का संग्रह है—**सुत्तपिटक।**

⇒ सुत्तपिटक के कुल पाँच निकाय हैं—**दीघ, मज्झिम, संयुक्त, अंगुत्तर एवं खुद्दक निकाय।**

⇒ महात्मा बुद्ध के जीवन के अन्तिम क्षणों का वर्णन मिलता है—**महापरिनिब्बानसुत्त में।**

⇒ वह पिटक जिसमें भिक्षुओं के अनुशासन सम्बन्धी नियमों का संग्रह है—**विनय पिटक।**

⇒ विनय पिटक के तीन भाग हैं—**सुत्तविभंग, खन्धक एवं परिवार।**

⇒ वह पिटक जिसमें बौद्ध मतों की दार्शनिक व्याख्या है—**अभिधम्म पिटक।**

⇒ त्रिपिटक की भाषा है—**पालि।**

⇒ मिलिन्दपह्नों, दीपवंश एवं महावंश की भाषा है—**पालि।**

⇒ वह ग्रन्थ जिसमें यूनानी नरेश मिनेण्डर एवं नागसेन के बीच वार्तालाप का वर्णन है—**मिलिन्दपह्नो।**

⇒ वह ग्रन्थ जिससे परवर्ती मौर्य शासकों एवं शुंग वंश के विषय में जानकारी मिलती है—**दिव्यावदान।**

⇒ सम्यक् दृष्टि, सम्यक् संकल्प, सम्यक् वाक, सम्यक् कर्म, सम्यक्आजीव, सम्यक् व्यायाम, सम्यक् स्मृति एवं सम्यक् समाधि को बौद्ध धर्म में कहा जाता है—**आष्टांगिक मार्ग।**

⇒ बुद्ध के उपदेशों का सार एवं सम्पूर्ण शिक्षाओं का आधार स्तम्भ है—**प्रतीत्य समुत्पाद।**

⇒ जरामरण के चक्र में कुल कितने क्रम हैं—**बारह।**

⇒ बौद्ध धर्म के अनुसार 'महापरिनिर्वाण' सम्भव है मृत्यु के बाद जबकि 'निर्वाण' प्राप्त हो सकता है—**जीवनकाल में ही।**

⇒ किसे 'अनात्मवादी' कहा जाता है—**गौतम बुद्ध को।**

⇒ वह धर्म जो पुनर्जन्म में विश्वास करता था—**बौद्ध धर्म।**

⇒ कर्मकाण्ड एवं पशुबलि का विरोध किया था—**गौतम बुद्ध ने।**

⇒ बौध धर्म के 'त्रिरत्न' हैं—**बुद्ध, संघ एवं धम्म।**

Scanned with CamScanner

- वह प्रथम महिला जिसे बौद्ध संघ में प्रवेश मिला—**गौतमी**।
- वह शासक जिसके समय में बौद्ध धर्म हीनयान एवं महायान नामक दो सम्प्रदायों में विभाजित हो गया—**कनिष्क**।
- वह बौद्ध सम्प्रदाय जो वैभाषिक एवं सौत्रान्तिक दो भागों में बट गया—**हीनयान**।
- 'शून्यवाद' जो महायान सम्प्रदाय का भाग था, के प्रवर्तक थे—**नागार्जुन**।
- 'विज्ञानवाद' के प्रवर्तक थे—**मैत्रेयनाथ**।
- वह सम्प्रदाय जिसके संस्थापक मक्खलिगोशाल थे—**आजीवक सम्प्रदाय**।
- 'नित्यवादी सम्प्रदाय' के संस्थापक थे—**पकुधकच्चायन**।
- वह सम्प्रदाय जिसका जन्म बौद्ध धर्म में बढ़ते तंत्र-मंत्र के प्रभाव के कारण हुआ—**वज्रयान**।
- वह स्थान जहाँ गौतम बुद्ध वर्षा ऋतु में प्रवास करते थे—**बेलुवन एवं जेतवान**।
- उच्छेदवादी सम्प्रदाय के संस्थापक थे—**अजित केश-कम्बलि**।
- वह सम्प्रदाय जिसके संस्थापक पूरन कश्यप थे—**घोर अक्रियावादी**।
- वह शासक जिसके समय में प्रथम बौद्ध संगीति (483 ई.पू.) का आयोजन हुआ—**अजातशत्रु**।
- प्रथम बौद्ध संगीति का अध्यक्ष था—**महाकस्यप**।
- वह स्थान जहाँ प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया—**राजगृह**।
- द्वितीय बौद्ध संगीति की अध्यक्षता की थी—**सर्वकामी ने**।
- वह शासक जिसके समय में द्वितीय बौद्ध संगीति (383 ई.पू.) का आयोजन किया गया—**काला शोक**।
- वह स्थान जहाँ द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ—**वैशाली**।
- तिब्बत, चीन, मंगोलिया, कोरिया, जापान इत्यादि देशों में बौद्ध धर्म के किस सम्प्रदाय का प्रसार हुआ—**महायान सम्प्रदाय का**।
- बौद्ध धर्म का वह सम्प्रदाय जिसका प्रसार श्रीलंका, वर्मा एवं जावा में हुआ है—**हीनयान**।
- 251 ई.पू. में किस बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ—**तृतीय**।
- पहली शदी में किस बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ—**चतुर्थ**।
- तृतीय बौद्ध संगीति का अध्यक्ष था—**मोग्गलिपुत्त तिस्स**।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति के अध्यक्ष थे—**वसुमित्र एवं अश्वघोष**।
- वह स्थान जहाँ तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ—**पाटलिपुत्र**।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन स्थल था—**कश्मीर या कुण्डलवन**।
- वह शासक जिसके समय में तृतीय बौद्ध संगीति आयोजित हुआ—**अशोक**।
- वे धर्म जो ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते—**जैन एवं बौद्ध धर्म**।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति के समय शासक था—**कनिष्क**।
- वह पिटक जिसका संकलन प्रथम बौद्ध संगीति में हुआ—**सुत्त एवं विनय पिटक**।

Scanned with CamScanner